एक नजर में

10 किलो से ज्यादा गांजा पकड़ा, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर. क्राइम ब्रांच की टीम ने रीजनल पार्क के पास 10.504 किलो गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपी से जब्त किए गए माल की कीमत दो लाख से ज्यादा बताई जा रही है. आरोपी सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर इंदौर में अधिक दामों पर बेचने की फिराक में था. क्राईम ब्रांच की गिरफ्त में आए 22 वर्षीय आरोपी की पहचान सोहन डावर निवासी ग्राम शैल, महेश्वर जिला खरगोन के रूप में हुई है. आरोपी बीएससी तक पढ़ा हुआ है और वेल्डिंग का काम करता है. एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि रीजनल पार्क के पास स्थित सार्वजनिक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के आसपास संदिग्ध गतिविधि हो रही है. मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एक युवक को सरकारी वाहन देखकर भागते हुए पकड़ा. जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 10.504 किलो अवैध गांजा और एक मोबाइल जब्त किया. पूछताछ में सोहन ने कबूला कि वह जल्दी पैसे कमाने की नीयत से गांजा सस्ते में खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने आया था. अपराध शाखा की टीम ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

19 साल से फरार डकैत पकड़ाया

इंदौर. करीब 19 साल से फरार चल रहे एक डकैती के आरोपी को क्षिप्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी सुरेश फुलचंद कासलीवाल, निवासी नजरगंज आष्टा, जिला सीहोर, वर्ष 2006 में इंदौर जिले के क्षिप्रा थाने में दर्ज गंभीर अपराध के बाद से ही फरार था. कोर्ट से फरारी वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देता रहा, लेकिन अंतत: पुलिस ने उसे धरदबोचा. मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय सांवेर ने 31 अगस्त 2006 को आरोपी के खिलाफ फरारी वारंट जारी किया था. काफी समय तक गिरफ्तारी नहीं होने पर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर 3 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था. ग्रामीण एसपी हितीका वासल ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे गिरफ्तारी अभियान के तहत क्षिप्रा थाना प्रभारी कैलाश सोलंकी ने एक विशेष टीम गठित की. तकनीकी और पारंपरिक सूचना तंत्र के माध्यम से की गई लगातार निगरानी के बाद टीम ने सुरेश कासलीवाल को आष्टा से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके फरारी के दौरान के नेटवर्क और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है.

स्कूल बस चालक पर बाइक सवारों का हमला

इंदौर. सांवेर थाना क्षेत्र के किठौदा गांव में स्कूल बस के चालक के साथ तीन बाइक सवार युवकों ने जमकर मारपीट कर दी. आरोपियों का कहना था कि बस ने उनकी ओर कीचड़ उड़ा दिया. इसी बात पर गुस्साए युवकों ने बस रुकवाकर चालक को घेर लिया और बस में चढ़कर लात-घूंसों से हमला कर दिया. इतना ही नहीं, जान से मारने की धमकी भी दे डाली. पीड़ित चालक इंदर पिता बिहारीलाल चौधरी निवासी चंद्रभागा, रावेर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने आरोपी मलखान पिता बाबू निवासी कायस्थखेड़ी और उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. फरियादी इंदर ने बताया कि वह स्कूल बस लेकर आरा मशीन ईंट भट्टे के सामने से निकल रहा था. उसी दौरान मलखान अपने दो साथियों के साथ बाइक पर पीछे से आया और बस के आगे अचानक गाड़ी अड़ा दी. जैसे ही बस रोकी, तीनों युवक बस में चढ़ आए और आरोप लगाने लगे कि मैंने उनके ऊपर जानबूझकर कीचड़ उड़ाया. आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया. जब विरोध किया तो हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी और धमकी दी कि अगली बार फिर ऐसा किया तो जान से हाथ धो बैठेगा. सांवेर थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस ने तीनों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है. पुलिस अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है.

हादसे में बुजुर्ग की मौत, युवक ने खाया ज़हर

इंदौर. शहर में हुई दो अलग-अलग घटनाओं में एक बुजुर्ग की ट्रेन से कटकर मौत हो गई, वहीं एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण कायम कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे स्टेशन क्षेत्र में गाड़ी अड्डा के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव ट्रैक पर पड़ा मिला. सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया. मृतक की पहचान 70 वर्षीय राजेंद्र पिता नर्मदा प्रसाद निवासी गाड़ी अड्डा के रूप में हुई है. पुलिस को आशंका है कि उन्होंने खुद ट्रेन के सामने कूदकर जान दी, हालांकि आत्महत्या है या दुर्घटना इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी. उधर, बाणगंगा थाना क्षेत्र के नरवल कांकड़ इलाके में रहने वाले 36 बसंत पिता लोग ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खाकर आत्महत्या कर ली. परिजन ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

मांगलिया रोड पर फिर जाम, दो किमी तक रेंगती रहीं गाड़ियां

- लोग बोले अब और कितनी जान लोगे सरकार

इंदौर. बायपास से मांगलिया की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग मंगलवार रात फिर महाजाम की भेंट चढ़ गया. हालात ऐसे रहे कि वाहन दो किलोमीटर लंबी कतार में फंसे रहे. लोगों ने जिम्मेदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुए सवाल उठाया क्या अब और मौतों का इंतजार है?, आसपास के रहवासी संग बोले अब और कितनी जाने लोगे सरकार.

शहर के बाहरी क्षेत्र में यातायात अव्यवस्था ने एक बार फिर आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं. बायपास से मांगलिया की ओर जाने वाले व्यास खेड़ी रोड पर मंगलवार को दो घंटे तक लम्बा जाम लग गया. जाम इतना भीषण था कि करीब दो किलोमीटर तक वाहन रेंगते रहे. सबसे बड़ा सवाल यह कि यह सब देखकर भी जिम्मेदारों ने आंखें मूंद रखी हैं. स्थानीय रहवासी हंसराज मंडलोई ने नव भारत को बताया कि इस जाम की सबसे बड़ी वजह वह अवैध बैरियर हैं जिसे टोल कंपनी द्वारा सड़क पर खड़ा कर दिया गया है. उन्होंने आरोप लगाया है कि यह बैरियर अवैध रूप से लगाया गया है ताकि व्यास खेड़ी रोड से गुजरने वाले वाहनों से अवैध वसूली की जा सके. वहीं उन्होंने दावा किया कि इस गोरखधंधे में टोल कंपनी के साथ कुछ नेता और अफसर भी मिले हुए हैं. उनका कहना है कि इस अवैध व्यवस्था और प्रशासन की लापरवाही के चलते अब तक कम से कम पांच लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन इसके बाद भी न तो ट्रैफिक को लेकर कोई ठोस इंतजाम किए गए और न ही वसूली करने वालों पर कोई कार्रवाई हुई. क्षेत्र के लोगों में इस बात को लेकर गहरी नाराजगी है और वे पूछ रहे हैं अब और कितनी जानें जाएंगी तब जाकर प्रशासन जागेगा, उनका यह भी कहना है कि यह जाम कोई पहली बार नहीं लगा, पर आज हालात बदतर हो गए. यदि एंबुलेंस या फायर ब्रिगेड यहां फंस जाती, तो अनहोनी से कोई नहीं रोक सकता था.

अवैध बैरियर तत्काल हटाया जाएं

हंसराज मंडलोई ने स्थानीय लोगों के साथ मांग की है कि व्यास खेड़ी रोड पर लगाए गए अवैध बैरियर को तत्काल हटाया जाए और इस गोरखधंधे में शामिल जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए. साथ ही, इस मार्ग पर ट्रैफिक नियंत्रण के स्थायी इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हालात दोबारा न बनें.

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, युवक की मौत

- हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से भागा

इंदौर. खंडवा रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी. इस सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया.

घटना सिमरोल थाना क्षेत्र स्थित चौखी ढाणी के पास बीती रात करीब 9:30 बजे हुई. मृतक की पहचान 22 वर्षीय छोटू पिता जगदीश, निवासी ग्राम थरवर थाना बलवाड़ा, जिला खरगोन के रूप में हुई है. जबकि उसका 30 वर्षीय साथी दिलीप हादसे में घायल हुआ है. घायल दिलीप ने पुलिस को बताया कि वह और छोटू दोनों बाइक पर सवार होकर खंडवा रोड से गुजर रहे थे. चौखी ढाणी के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आई एक तेज रफ्तार कार नम्बर एमपी 09 एएई 9773 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे. छोटू को सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दिलीप को भी चोटें आई हैं. सिमरोल पुलिस ने घायल की शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है. फिलहाल आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज और गाड

कमरे में घुसकर युवती से की छेड़छाड़

- विरोध करने पर बनाया बंधक
- शोर मचाया तो पड़ोसी डंडे लेकर पहुंचे
- कुछ ही देर में पुलिस ने दबोचा

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र की बेकरी गली में एक युवती से उसके मकान मालिक ने न सिर्फ अश्लील हरकतें कीं, बल्कि विरोध पर उसे कमरे में बंद कर बंधक बना लिया. कमरे में कैद युवती ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया तो आसपास के लोग सतर्क हुए और मौके पर पहुंच गए. स्थिति बिगड़ते देख आरोपी मौके से भाग निकला, लेकिन ज्यादा देर फरार नहीं रह सका. पुलिस ने उसे कुछ ही घंटों में पकड़ लिया.

थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि पीड़िता अलीराजपुर की रहने वाली है और फिलहाल इंदौर में नौकरी के सिलसिले में रह रही है. वह शहर के एक बार में काम करती है और जिस मकान में रह रही है, वह आरोपी अयाज खान का है. पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि वह अपने कमरे में थी तभी मकान मालिक अयाज वहां आ धमका. बातचीत की आड़ में उसने गलत तरीके से छूने की कोशिश की. विरोध करने पर उसने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया और भाग गया. कमरे से आ रही आवाज सुनकर मोहल्ले के कुछ लोग वहां पहुंचे और दरवाजा खुलवाकर युवती को बाहर निकाला. घटना की सूचना मिलते ही तुकोगंज पुलिस मौके पर पहुंची और फरार आरोपी को तलाश कर कुछ ही देर में हिरासत में ले लिया, पुलिस ने आरोपी अयाज के खिलाफ आईपीसी की छेड़छाड़ और बंधक बनाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है. वहीं पीड़िता के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

स्कूल बस में ठूंसे 70 बच्चे, 10 तो ड्राइवर कैबिन में बैठे मिले

- यातायात पुलिस की कार्रवाई
- बस जब्त लगाया 11,000 जुर्माना

इंदौर. नियमों की धज्जियां उड़ाते स्कूल बस पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई. तेजाजी नगर चौराहे पर एक स्कूल बस को पुलिस ने रोका जिसमें 70 से अधिक बच्चे बैठे थे, ड्राइवर व हेल्पर ने सारी हदें तोड़ते हुए कैबिन में ही दस बच्चों को बैठा रखा था. यातायात विभाग ने कार्रवाई करते हुए बस को जब्त कर 11 हजार का जुर्माना लगाया.

तेजाजी नगर चौराहा पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे सूबेदार अमित कुमार यादव ने जब एक स्कूल बस को रोका तो उसमें क्षमता से कहीं अधिक 70 बच्चे बैठे पाए, हैरान करने वाली बात यह रही कि 10 बच्चे ड्राइवर के कैबिन में ठूंसे हुए थे, जबकि बस की अधिकृत क्षमता सिर्फ 50 यात्रियों की है. यातायात पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पहले उन्हें उनके स्कूल छोड़ा, इसके बाद बस को जब्त कर थाना तेजाजी नगर में खड़ा करवा लिया. इसके बाद पुलिस ने बस संचालकों को सूचित कर 11 हजार का जुर्माना भी लगाया.

अलग-अलग इलाकों में दो नाबालिगों ने लगाई फांसी

इंदौर. शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर नाबालिग बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं. रावजी बाजार थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बालक ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी, वहीं हीरानगर इलाके में 16 साल के किशोर ने भी खुदकुशी कर ली. दोनों ही मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

रावजी बाजार थाना प्रभारी ने बताया कि घटना साउथ तोड़ा क्षेत्र की है, जहां 12 वर्षीय बालक अपने छोटे भाई के साथ घर में खेल रहा था. खेल के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई और बालक ने भाई से मारपीट कर दी. इस पर मां ने उसे डांट दिया. डांट पड़ने के कुछ समय बाद ही बालक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगा ली. परिजन ने जब दरवाजा तोड़ा, तब तक देर हो चुकी थी. वहीं दूसरी घटना हीरानगर थाना क्षेत्र के लसूड़िया इलाके की है. यहां 16 वर्षीय सुनील पिता वीरसिंह चौहान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस मामले की तह तक जाने का प्रयास कर रही है. दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है, साथ ही परिजन के बयान लेकर कारणों की पुष्टि की जा रही है

समस्या ▶ आते-जाते राहगीरों को बना रहे निशाना

आवारा श्वानों का बढ़ रहा आतंक, कर रहे हमले

इंदौर. शहर में आवारा श्वनों की का आतंक बढ़ता जा रहा है. निगम प्रशासन भी इस पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहा है. लापरवाही के चलते आमजन पर श्वानों के हमले भी बढ़ रहे हैं. कई बार तो जान पर भी बन आती है.

स्मार्ट सिटी के तहत आवारा पशुओं पर ऐसी नकेल कसी गई की आज सड़कों और क्षेत्रों में आवारा पशु दिखाई नहीं देते है लेकिन आवारा श्वानों की लगातार तादाद बढ़ती जा रही है. शहर के हर क्षेत्र, कॉलोनी, बस्ती में आवारा श्वानों की टोली दिखाई देती है. सवाल तो यह उठता है कि योजना होने के बावजूद संख्या नियंत्रित नहीं हो रही है. शायद श्वानों को पकड़ने और नसबंदी जैसी कारवाई में भी बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है. जिस तरह से इनका आतंक मचा हुआ है डॉग बाइट की घटनाओं का आकड़ा भी हर बार ऊपर की ओर ही जाता है. हाल ही में श्री नगर ऐक्सटेंशन क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना होते-होते बच गई. यहां से गुज़र रही छात्रा पर चार-पांच कुत्तों ने हमला कर दिया. छात्रा के शरीर पर कई कटने से घाव भी हो गए. गनीमत रही की स्कूटी पर आ रही एक छात्रा ने कुत्तों को भगाया, जिससे पहली छात्रा बच सकी. एक जानकारी के अनुसार हर माह तीन हज़ार से अधिक डॉग बाईट के केस होते है वहीं देश में रैबीज से करीब पांच हज़ार मरीजों की मृत्यु होती है. यहां गंभीर बात है कि रैबीज जैसी जोखिम भरी बीमारी पर भी नगर निगम अधिकारी लापरवाही क्यों करते है.

इनका कहना है...

डॉग बाइट या रैबीज से मृत्यु केस के आज जो आकड़े हैं. हर वर्ष वह तो बढ़ेंगे ही क्योंकि हर महीने आवारा श्वानों की संख्या बढ़ती जा रही है जिससे गंभीर परिणाम होंगे ही.

- कादिर खान

आवारा श्वानों से कोई भी क्षेत्र नहीं बचा. बस्ती में तो अक्सर बच्चे अकेले ही स्कूल जाते हैं जो असुरक्षित है. जब निजी पशुओं पर लगाम लग सकती है तो इन पर क्यों नही.

- रमेश रायकवार

आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने को मिलती है. इन घटनाओं से निगम प्रशासन अवगत है. स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट तो अपनी जगह है लेकिन जनहानि एक गंभीर विषय है. इसका निराकरण जल्द ही किया जाना चाहिए.

- मुन्नालाल आर्य